विषय :- नारियाँ - नौकरी क्षेत्रों में

सशक्त नारी - नौकरी प्राप्त नारी

नारी केवल एक स्त्री ही नहीं एक परिवार या समाज की प्रगति का आधार है। नारी एक बेटी है, एक स्त्री है, एक माँ है, एक बुढ्ढा भी है। एक देश सम्पन्न होना है तो उसका आधार वहाँ की नारी है। यदि उस देश की सभी नारियाँ नौकरी क्षेत्र में चमकता है तो उस देश सम्पन्न है। नारी देश या प्रांत या एक समाज की आधार है। नारी अधिक बुद्धिमती होती है। यथासमय नौकरी मिलने पर नारी का ही नहीं बल्कि एक समाज का विकास है। नारी क्षमा और करुणा की मूर्ति है।

नारी और नौकरी का परस्पर संबंध

नारी केवल घर की नौकरानी नहीं है। यदि नारी को सफल अभ्यास और सही शिक्षा दे तो वह आसमान के ऊँचे सीढ़ियों पर पहुँच सकते हैं। नारी और नौकरी का संबंध बहुत गहरा है। नारी अपने घर में ममता और करुणा की नदी भरता है। नारी को नौकरी होना आवश्यक है। नारी और नौकरी का अटूट संबंध है। लेकिन समाज और परिवार तय कर लेता है कि "नारी को नौकरी का आवश्य नहीं है। नारी से कुछ नहीं किया जा सकता और वे कमज़ोर है"। इस तरह की भावना नारी को शिक्षा और नौकरी से वंचित करता है।

64th Kerala School Kalolsavam, January 14 to 18, 2026, Thrissur

Item Code: 645 Participant Code: 047

नौकरी क्षेत्रों में नारी का योगदान।

नारी बढ़ती ही रहती है। आज हर एक नारी की नौकरी है। नौकरी के पीछे नारी बहुत दौड़ी भी है। केवल पैसे बढ़ प्रति में हर एक नारी को नौकरी होना आवश्यक है।

नारी अपनी ही नहीं अपने पूरे परिवार को सही दिशा में ला सकती है यदि वह शिक्षा और नौकरी करती है।

आज नारियाँ हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। भारत जैसे विकसित देश में नारी अपनी बुद्धि से दिखाकर भारत का नाम ऊँचा उठाती है।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

नारियाँ और नौकरी प्राचीन काल से आज तक।

प्राचीन काल में नारी अपने घर के कार्यों का सृजन और अपने परिवार की मदद के लिए थोड़ी आसानी नौकरी करते थे और ऊँचे नारियाँ राज्य शासन में राजा की भी मदद करते थे।

मध्यकाल आते आते ब्रिटिश - भारत युद्ध के बावजूद नारियाँ अपनी ताकत दिखाई, परिवार के पुरुषवर्ग सत्याग्रह के लिए जाने पर नारियाँ अपने और छोटे - छोटे बच्चों की भूख मिटाने के लिए नौकरी के क्षेत्र में आया। लेकिन स्वतंत्रता मिलने के बाद भी

കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം, തൃശ്ശൂർ
തിയ്യതി......................
64-ാമത് ★ പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി ★

घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा आदि के कारण शिक्षा और नौकरी से वंचित रह गया।

आज के नए युग में नारियाँ अपनी ताकत दिखाकर हर क्षेत्र में अपना हस्ताक्षर छोड़ रही है। आज पंचायत से लेकर संसद तक नारियों की पहुँच हुई है। नारियों की शक्ति पहचानते सरकार आरक्षण की सुविधा दे रहा है, फिर नारियाँ अपनी नौकरी नहीं करना चाहती क्यों कि आर्थिक, मानसिक स्थिति खराब में पड़ेंगी।

नारी हमेशा खुद का ही नहीं अपने समाज की स्थिति भी बेहतर करती है। नारी को नौकरी पाना उनका अधिकार है।

नारियों को नौकरी पाने के उपाय

नारियों को शिक्षा देना : यदि नारी के बीच शिक्षा का प्रचार किया जाये तो वे उन्हें नौकरी पा सकती है। शिक्षित नारि अपने अधिकारों को समझती है और समाज में समान भागीदारी करती है।

कानून के द्वारा : घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, हिंसा से नारी को वंचित करना के खिलाफ सख्त नियम बनाना चाहिए ताकि वे शिक्षित रहें और नौकरी पा सकें।

समाज के द्वारा : समाज नहीं सोचना चाहिए कि नारियाँ कमज़ोर है। नारियों को समान सम्मान और समानता।

समाज में भी मान पड़ा। इससे नारियों के आत्मविश्वास और आत्मसंतोष बढ़ें और वे अच्छे नौकरी पा सके।

रोजगार के अवसर पर: नारियों को समान अधिकार और सम्मान अवसर होना चाहिए। समान नौकरी नौकरी के समान वेतन पुरुष और स्त्री को देना चाहिए।

राजनीति में: स्त्री को पंचायत से लेकर संसद तक शासन करने की सुविधा होनी चाहिए।

नारियाँ नौकरी से वंचित है। जैसे

"नारी घर का काम करती है
और कोई इसे जानती नहीं।"

यहीं समूह के साथ है। और नारी अपने शादी के बाद घर के काम करते रहते गई कि अपनी शिक्षा मध्यमार्ग में खो देती है।

आज की नारियाँ - नौकरी

आज की नारी अपनी सपनों हासिल करनेवाली है।

"माँ होनेपर नारि नौ महीने का
संघर्ष सहता है।
लेकिन नौकरी से वंचित होना
नहीं सहता॥"

ये पंक्तियाँ हमें पहचान देता है कि एक माँ अपनी नौ महीने की पीड़ा सहता है लेकिन जीवनभर नौकरी न होने की पीड़ा नहीं सहता।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

आज कल नारी भी देश को ऊँचे स्तर पर उठाता।

पि. वी. सिन्धु : पि वी सिंधु ओलं-खेल में विश्वविख्यात थी। वह भारत का ही नहीं हर एक नारी के लिए उत्तम उदाहरण है।

किरण बेदी : किरण बेदी भारत की पहली महिला पुलिस बनी। वह अपना नाम अपनी नौकरी से भारत के चरित्र में लिखवा।

द्रौपदी मुर्मु : श्रीमती द्रौपदी मुर्मु अपनी देश की उन्नत स्थान पर पहुँची। वह भी हर एक नारी के लिए प्रेरणादायकी है। ये भारत का भी नहीं हर एक कोने का ऊँचा उठाया।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

इंदिरा गाँधी : ने अपना नाम राजनीति से भारत के अमर चरित्र में लिखवाया।

इसी तरह अनेक नारियाँ और नौकरी पेशों के द्वारा ऊँचा नाम और सम्मान प्राप्त किया।

नारियाँ को नौकरी देनेका लाभ

"हर नारी हर नौकरी को ऊँचा उठाएगा"।

नारियाँ और नौकरियाँ बीच गहरा संबंध है। नारी को नौकरी देने पर वे अत्यंत खुश, और सम्मान हासिल करती है।

नौकरी भी नारी को समाज
में सम्मान दिलाती है। आदि
[illegible]
प्राप्ति होती है।

" यदि नारी शिक्षा प्राप्त करती है
तो उसको नौकरी मिलती है।

" स्त्री शिक्षित होगी तो [illegible]
[illegible]
[illegible] समाज [illegible]
"

यदि [illegible] नारी शिक्षित [illegible]
[illegible] अच्छी नौकरी [illegible] समाज
[illegible] दिलाती है और [illegible]
मिलती है। एक [illegible]

ये वह घर नौकरी प्राप्त करता है
ना है कि ढूँढता। वह भी
ज़िंदगी में प्रेम से उनके घर बिता
जी अच्छे संस्कार और अच्छे
नौकरी प्राप्त करता है।

"नारियाँ ही संग्राय की जननी है"

नारी को नौकरी मिलने पर उसके की आर्थिक आर्थिकव्यवस्था सुचारु रूप से आगे बढ़ता है और उनकी बाकी परिवारों को भी अच्छी नौकरी मिलता है।

नारी सम्मान की मूर्ति है। नारी शक्ति और सेतु समाज की आधारशिला है। यदि वे नौकरी न पाएँ तो समाज खतरे में पड़ जाते है।

Item Code: 645 Participant Code: 047

नारी - सशक्त, नौकरी - सशक्त

"यदि नारी शेर की दूध जैसे शिक्षा पिएगा तो शेर के जैसे अपनी नौकरी क्षेत्रों में दहाड़ेगा"।

नारी नौकरी क्षेत्रों में दिन भर दिन आगे बढ़ता है। पाताल से लेकर अंतरिक्ष तक हर जगह नारी मौजूद है। नारी समाज को सशक्त बनाती है।

"मैं स्त्री हूँ। मैं नारी हूँ। मैं सती हूँ
मैं फूलवारि हूँ। मैं द्रौपदी हूँ
मैं सीता हूँ। मैं श्रीमद्भगवत्गीता हूँ"

यह पंक्तियाँ जयशंकर प्रसाद की कविता "मैं स्त्री हूँ" से लिया गया है।

नारी की ताकत और क्षमता इसमें वर्णित है। यदि नारी को नौकरी हो तो वह अपना जीवन स्वयं बनाएगा और समाज में पुरुषों के बराबर योगदान ~~करे~~ लेगा।

नौकरी नारियों का मूलाधिकार है। नारियाँ हर क्षेत्र में अपना नाम अमर बनाती है। वे आज अपनी नौकरी के माध्यम से अपना जीवन खुश होकर बिताता है और समाज और परिवार को सही दिशा में आगे बढ़ाती है।

नारी लोहा है। यदि उनके पास नौकरी हो तो वे उस लोहे के रूप को सुन्दर और अमर बनाएंगे।

सोने को आग में जलाकर शुद्ध किया जा सकता है उसी प्रकार नारी को भी नौकरी जैसे आग में जलाकर शुद्ध किया जाता है।

नारी मानवता की मूर्तिरूप है। वे अपने नौकरी में पूर्ण तरह से अर्पित मनोभाव रखते हैं इसलिए ~~वे ऊँची के ऊँचे कामी~~ वे अपना नाम ऊँचे स्थानों पर मशहूर बनाया।

"नौकरी नारियाँ का मान है"

उपसंहार

नौकरी में स्त्री पुरुष का विवेचन होना नहीं चाहिए। नौकरी नारी का मान है उसे छिनना बहुत लज्जादायनिक है।

"नौकरी प्राप्त नारियाँ ही भारत की पहचान है"।

भारत जैसे विश्वप्रसिद्ध देश का ही नहीं हर प्रांत या पुर के लिए नौकरी प्राप्त नारी उत्तम उदाहरण है।

धरती के हर कोने में उपस्थित नारी को नौकरी होना अनिवार्य है। यह उनका मौलिक अवकाश है।

नारी के लिए नौकरी प्राप्त करना आसान विषय है लेकिन इसका रास्ता अधिक कठिन है। नौकरी प्राप्त नारी ही सशक्त नारी है।

Item Code: 645 Participant Code: 047.

नौकरी प्राप्त नारियाँ
अपने काम में खुश और
दूसरों को खुशी और नौकरी
प्राप्त करने के लिए मदद करते हैं।

पहले नारी को नौकरी क्षेत्रों
में अत्यधिक पीड़ा और दुख
सहना ही लगाता है लेकिन
अंत में वह सफलता को पाता है।
देश को आगे बढ़ाने की तरह
नारियों को नौकरी प्राप्त करना
भी बहुत महत्वपूर्ण है।

नारी को कामस्थल में
अनेक संघर्ष झेलना पड़ता है
लेकिन नारी अपनी शिक्षा और
काम से अपना नौकरी और
जीवन सुन्दर बनाता है।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

"नौकरी नारी का मूल्यवकाश ।। "

"नौकरी से नारी को वंचित न करें ।।"

नौकरी प्राप्त नारी ही देश का अभिमान है। यदि वह नौकरी प्राप्त हो तो वह ज़रूर शिक्षित, स्वावलंबी और सशक्त होगा।

"नारियों का विकास देश का विकास।"

नौकरी प्राप्त नारियाँ केवल खुद के लिए ही नहीं सब के लिए गर्व है।